कॉलेजों को मलिेगा दो वर्ष का प्रोवजिनल एक्रीडटिेशन

चर्चा में क्यों?

16 मार्च, 2022 को आयुक्त, उच्च शक्षिा दीपक सहि ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परषिद ने कॉलेजों की मूल्यांकन प्रक्रयिा में बदलाव कयिा है। अब जनि महावद्यालयों ने स्थापना के एक वर्ष पूर्ण कर लयि हैं, उन्हें प्रोवजिनल एक्रीडटिेशन मलिेगा।

प्रमुख बदिु

- दीपक सहि ने यह बात सरोजनिी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महावद्यालय में प्रोवजिनल एक्रीडटिेशन प्रशक्षिण पर एकदवसीय कार्यशाला को संबोधति करते हुए कही।
- उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणकि संस्थान के ओवरऑल परफॉरमेंस के मूल्यांकन के बाद नैक **(NAAC)** एक्रीडटिेशन मलिता है। नए स्थापति कॉलेजों के लयि पैक **(PAC)** एक अच्छी पहल है।
- उन्होंने प्रशक्षिण में आए हुए भोपाल एवं सागर संभाग के महावद्यालयों के प्राचार्य और प्राध्यापकों को अपने-अपने महावद्यालय को नैक मूल्यांकन के लयि तैयार करने का नर्दिेश दयिा। प्रशक्षिण में 55 महावद्यालयों के 110 प्राचार्य और प्राध्यापक शामलि हुए।
- उल्लेखनीय है कि प्रोवजिनल एक्रीडटिेशन का प्रशक्षिण भोपाल, उज्जैन, जबलपुर तथा ग्वालयिर में दयिा जा रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/colleges-will-get-provisional-accreditation-for-two-years